समापन भाषण

माननीय सदस्यगण,

चतुर्थ झारखण्ड विधानसभा का हमारा यह 16वाँ सत्र चन्द्रयान के प्रक्षेपण के ऐतिहासिक पल के साथ शुरू हुआ था और आज इसका समापन कारगिल विजय की 20वीं वर्षगाँठ पर हो रहा है। हमलोगों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि इन दोनों पलों के हम गवाह रहे हैं। इतिहास की इन दोनों घटनाओं ने हमारे सीने को गर्व से चौड़ा करने का अवसर प्रदान किया है और सर को ऊंचा उठाने का मौका भी उपलब्ध कराया है। चन्द्रमा पर हमारा कदम हमारी खुद की ही कोशिशों से पड़े यह हमारे लिये सपने की बात थी। मुझे आज इस बात की खुशी है कि भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने विशुद्ध भारतीय तकनीक से चन्द्रयान का निर्माण पूरा किया और विगत् 22 जुलाई को इसे चन्द्रमा की ओर भेजने में सफलता प्राप्त की। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि एच0ई0सी0 के जिस परिसर में हमारी विधान सभा का सत्र आज चल रहा है उसी एच0ई0सी0 के अभियंताओं और कामगारों ने भी इसके निर्माण में बड़ा योगदान दिया है। चन्द्रयान के मिशन को वर्णित तिथि को जो कामयाबी मिली उसके प्रक्षेपण की टीम में झारखण्ड के भी युवा शामिल रहे हैं। ये सभी बधाई के पात्र हैं। जैसी कि मैंने चर्चा की है आज कारगिल विजय की 20वीं वर्षगाँठ है, राष्ट्रीय सम्मान के इस समर में जिन सैनिकों ने अपनी शहादत दी है उनमें झारखण्ड के भी बहुत सारे सपूत रहे हैं। आज़ादी की लड़ाई से लेकर राष्ट्र रक्षा के लिए जितने भी युद्ध हुए हैं झारखण्ड ने अपेक्षा से ज्यादा बलिदान दिया है। हमें अपने इन सपूतों की शहादतों पर गर्व है और आज के अवसर पर हम इन समस्त शहीदों के प्रति इस सदन के माध्यम से अपनी श्रद्धा भी निवेदित करते हैं।

माननीय सदस्यगण, हमारा यह सत्र कुल 5 दिनों तक चला। सत्रों में खट्टे मीठे पलों का आना–जाना लगा रहता है। इस सत्र के साथ भी कुछ कड़वी यादें जुड़ी रही हैं लेकिन इन सबके बावजूद हमारा यह सत्र काफी सफल और सार्थक रहा है। सभा में कड़वे वातावरण के क्षण यदि नहीं आते, तो शायद यह सत्र ज्यादा सार्थक रहता। जनता से जुड़े सवाल ज्यादा संख्या में लिए जा पाते। इस कड़वाहट की जिम्मेवारी किसी एक पक्ष की नहीं है। मेरा आरोप किसी व्यक्ति विशेष के लिए भी नहीं है। आने वाले दिनों में सभा का वातावरण यदि सामंजस्यपूर्ण रहेगा तो जनहित के मुद्दों पर ज्यादा चर्चा संभव हो सकेगी। मैं आशा करता हूँ कि सभा के माननीय सदस्यगण इसे अन्यथा न लेंगे और भविष्य में सभा के संचालन में रचनात्मक सहयोग करेंगे। इस सत्र में हमने एक विनियोग विधेयक सहित कुल 6 विधेयकों को पारित किया है। इन विधेयकों के माध्यम से सामान्य जाति के 10 प्रतिशत गरीब लोगों को जहाँ सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ दिये जाने का प्रावधान है वहीं राज्य की सांस्कृतिक राजधानी देवघर में बाबा बैद्यनाथ के नाम पर संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना का विधेयक पारित करके भी हमने झारखण्ड की संस्कृति में एक नये आयाम को जोड़ने में कामयाबी पाई है। मैं आशा करता हूँ कि यह विश्वविद्यालय संस्कृत के क्षेत्र में अनुसंधान और अध्ययन के नये कीर्त्तिमान स्थापित करेगा।

इस सत्र के संचालन में सदन नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित समस्त विधायक दल के नेताओं और माननीय सदस्यों का सहयोग मुझे प्राप्त हुआ इसके लिए मैं सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। मैं धन्यवाद देता हूँ

सरकार के सभी माननीय मंत्रियों को भी, जिनके सहयोग से प्रश्नों और प्रस्तावों के उत्तर हमें समय से प्राप्त हुए।

इस सत्र के लिए कुल 403 प्रश्नों की सूचनाएं विधान सभा सचिवालय को प्राप्त हुईं। इनमें से 303 प्रश्न स्वीकृत किये गये। इन स्वीकृत प्रश्नों में अल्पसूचित प्रश्नों की संख्या 82 थी जबकि तारांकित प्रश्नों की संख्या 211 और अतारांकित प्रश्नों की संख्या 37 थी। एक अल्पसूचित प्रश्न और 9 तारांकित प्रश्न सदन में उत्तरित हुए। इसके अतिरिक्त कुल 290 प्रश्नों के लिखित उत्तर विभिन्न विभागों से प्राप्त हुए हैं। शेष 40 प्रश्नों के उत्तर सरकार से आने शेष हैं। मैं समझता हूँ कि ये उत्तर भी शीघ्र ही सभा सचिवालय को प्राप्त हो जाएंगे। इन उत्तरों में 90 प्रतिशत ऑन लाईन प्रणाली से भी प्राप्त हुए हैं।

झारखण्ड विधान सभा के इस सत्र के लिए कुल 25 निवेदन की सूचनाएं स्वीकृत की गईं। शून्यकाल की 114 सूचनाएं प्राप्त हुईं और इन्हें संबंधित विभागों को सदन में पढ़े जाने के बाद लिखित उत्तर के लिए प्रेषित किया गया है। इस सत्र के लिए गैर सरकारी संकल्पों की कुल 31 सूचनाएं विभिन्न माननीय सदस्यों से प्राप्त हुई हैं। इस सत्र के लिए कुल 20 ध्यानाकर्षण की सूचनाएं भी प्राप्त हुई थीं जिनमें से 16 पर सभा में सरकार के वकत्व्य प्राप्त हुए हैं। ध्यानाकर्षण की एक सूचना को विस्तृत जाँच के लिए इससे संबंधित समिति को सौंपा गया है वहीं एक पर सभा की विशेष समिति बनाने की घोषणा की गई है। शीघ्र ही एतद् विषयक समिति का गठन किया जायेगा।

मैं इस सत्र के सफल संचालन के लिए राज्य सरकार के उच्च पदाधिकारियों को भी धन्यवाद देता हूँ। उनके सहयोग के बिना प्रश्नों,

प्रस्तावों आदि के ससमय उत्तर सभा सचिवालय को प्राप्त नहीं हो पाते। मैं मीडिया के तमाम बन्धुओं के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने सभा की कार्यवाही का सार्थक और सटीक प्रसारण करके राज्य की सवा तीन करोड़ जनता को इससे अवगत कराया है। विधि व्यवस्था को बनाये रखने में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। इनकी मुस्तैदी से विधि व्यवस्था बनी रही और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। पुलिस के सारे जवान इस हेतु मेरी ओर से धन्यवाद के पात्र हैं। मैं अपने सभा सचिवालय के कर्मियों और पदाधिकारियों को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने सत्र के संचालन में मेरा भरपूर सहयोग किया है।

यह सावन का पवित्र महीना है और इसी महीने में रक्षा बन्धन, स्वतंत्रता दिवस एवं बकरीद का पर्व भी आने वाला है। मैं इन तमाम पर्व, त्योहारों की अग्रिम बधाई इस सभा के माध्यम से राज्य की समस्त जनता को प्रेषित करता हूँ और इसी के साथ सभा की कार्यवाही को अनिश्चितकालीन तक के लिए स्थगित करने की घोषणा भी करता हूँ।